MOU AND LINKAGE

सत्र – 2021 – 22

संस्था नाम – सांदीपनी एकेडमी, पेन्ड्री (मस्तूरी), जिला – बिलासपुर (छ.ग.)

से

विद्यालय का नाम सरस्वती शिशु मंदिर शा. मा. विद्यालय, मस्तुरी, बिलासपुर

विषयः–बी0एड0 प्रशिक्षार्थियों के शाला अवलोकन एवं शाला अनुभव कार्यक्रम।

- ✓ महाविद्यालय के कम से कम 10 से 20 बी0एड0 प्रशिक्षार्थी विद्यालय में शाला अनुभव कार्यक्रम के तहत जाएंगे।
- ✓ प्रथम वर्ष के प्रशिक्षार्थी चार सप्ताह एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थी सोलह सप्ताह विद्यालय में एक शिक्षक की तरह कार्य करेंगे।
- ✓ प्रथम वर्ष के प्रशिक्षार्थी चार सप्ताह में निम्नलिखित कार्य करेंगे–

  प्रथम सप्ताह– कक्षा अध्यापन का अवलोकन विद्यालय के शिक्षकों का कम से कम दो चयनित विषय एवं एक कालखण्ड अन्य विषय ।

  द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह – कक्षा अध्यापन कम से कम दो काल खण्ड ।

  चतर्थ एवं अंतिम सप्ताह – सामुदायिक कार्य (अध्यापकों के साथ विद्यालय से संलग्न रहवासियों के साथ)
- ✓ कार्यक्रम का सम्पादन निम्नानुसार होगा–

1. प्रथम वर्ष के प्रशिक्षार्थी एक सप्ताह अवलोकन कर महाविद्यालय आ जाएंगे।
2. महाविद्यालय में यूनिट प्लान बनाकर दो सप्ताह के लिए विद्यालय में अध्यापन कार्य करेंगे एवं प्राचार्य द्वारा बताए गए कार्य करेंगे।
3. अंतिम सप्ताह में सामुदायिक कार्य करेंगे। विद्यालय के निकट के बस्तियों का स्वास्थ्य एवं समाज सेवा से संबंधित सर्वे करेंगे एवं विषयानुसार प्रेक्टिकल कार्य करेंगे, आवश्यक जनसेवा व जागरूकता कार्यकम हेतू समझाईश लोगों को देंगे।
4. प्रथम वर्ष के प्रशिक्षार्थी विद्यालय में यूनिट प्लान के अनुसार अध्यापन करेगे एवं प्रतिदिन की पाठयोजना बनाएंगे । तत्पश्चात् Reflective journal लिखेंगे।

- ✓ शाला प्राचार्य प्रशिक्षार्थियों के कार्यो का लेखा जोखा रखेंगे। उसके लिए प्राचार्य किसी स्टॉफ के सदस्यों को सहयोगी नियुक्त कर सकते हैं।
- ✓ प्राचार्य प्रशिक्षार्थियों के समस्त लेखन कार्य को प्रमाणित करेंगे।
- ✓ महाविद्यालय के एक शिक्षक मेंटर के रूप में प्रशिक्षार्थियों की गतिविधियों के संबंध में निर्देश देते रहेंगे।
- ✓ द्वितीय वर्ष के बी.एड. प्रशिक्षार्थी 16 सप्ताह के लिए शाला अनुभव कार्यक्रम (इंटर्नशिप) हेतु विद्यालय में जाकर एक शिक्षक की तरह कार्य करेंगे। वे कम से कम दो कालखण्ड चयनित विषय का पढ़ाएंगे एवं अन्य कार्य सम्पादित करेंगे।

- ✓ दोनों वर्षो के प्रशिक्षार्थी सप्ताह में पांच दिनों के लिए विद्यालय में रहेंगे एवं एक दिन (प्रथम व चौथा शनिवार एवं दूसरा व तीसरा शुक्रवार) आवश्यकता होने पर दो दिन के लिए महाविद्यालय में आएंगे, महाविद्यालय में वे मेंटर के मार्गदर्शन में Unit plan, Daily Plan & Reflective journal को पूर्ण करेंगे या उसके संबंध में मार्गदर्शन लेंगे ।
- ✓ द्वितीय वर्ष के बी. एड. प्रशिक्षार्थी क्रियात्मक अनुसंधान, प्रोजेक्ट, विद्यालय के बच्चों के विषय में अध्ययन उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में विद्यालय के शिक्षकों के साथ विद्यालय की समस्या के संबंध में अध्ययन आदि कार्य करेंगे।
- ✓ द्वितीय वर्ष के बी.एड प्रशिक्षार्थी प्रारम्भ के सप्ताह में कक्षा अध्यापन का अवलोकन करेंगे अवलोकन विद्यालय के अध्यापक के अध्यापन का एवं छात्राध्यापक के अध्यापन का एवं विद्यालय की समस्त गतिविधियों का अवलोकन करेंगे एवं आयोजन में सहयोग करेंगे।
- ✓ प्रशिक्षार्थी अध्यापन एवं अध्यापनेत्तर गतिविधियों को प्राचार्य की जानकारी एवं मेंटर के मार्गदर्शन में पूर्ण करेंगे।
- ✓ प्रशिक्षार्थियों के समस्त अभिलेखों को प्राचार्य प्रमाणित करेंगे ।
- ✓ प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षार्थियों के कार्यो का मूल्यांकन शाला के प्राचार्य करेंगे एवं उनकी उपस्थिति की भी खात्री (सुनिश्चित) कर प्रमाणित करेंगे।
- ✓ कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात् भी प्रशिक्षार्थी अपना टॉस्क पूर्ण करने हेतु विद्यालयों में जाते रहेंगे।

सील व हस्ताक्षर

शाला प्राचार्य

सील व हस्ताक्षर

महाविद्यालय प्राचार्य

Principal
Department of Education
Sandipani Academy
Pendri (Masturi) Bilaspur (C.G.)